>

Title: Need to build a bridge on Ghaghara river near Kamhariya Ghat on Gorakhpur-Allahabad State Highway in Uttar Pradesh.

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी (संत कबीर नगर): सभापति महोदय, मैं एक अत्यंत जनहित के मुद्दे को सदन में आपके माध्यम से उठाना चाहता हूं, जो नितांत आवश्यक है।। उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश में नदियों में बाढ़ की पीड़ा हर साल लोगों को झेलनी पड़ती है। नदियों की बाढ़ से वहां का जनजीवन हर साल हर तरह से प्रभावित होता है। इसके कारण वहां महामारी फैलती है, हजारों बच्चे मर जाते हैं। सड़कों की स्थिति यह है कि सड़कें इतनी खराब हैं कि आने-जाने के संसाधन वहां बिल्कुल नहीं हैं। एक बार वहां सड़क बन गई, वह टूट गई तो फिर दोबारा बनाने का नाम नहीं लिया जाता है। मैं एक सड़क के बारे में ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। अम्बेडकर नगर जनपद और गोरखपुर जनपद को जोड़ने के लिए बीच में घाघरा नदी है। उस पर कमरिया घाट का एक पुल वहां बनना है, जो जनहित के लिए नितांत आवश्यक है। वह सड़क सीधे गोरखपुर से इलाहाबाद चली जाएगी, उसके बनने से इलाहाबाद की दूरी 70 किलोमीटर कम हो जाएगी। इस क्षेत्र और बिहार के लोग तीर्थयात्रा एवं संगम स्नान के लिए अगर इस सड़क से जाएंगे, तो दूरी कम हो जाएगी। लेकिन आज तक वह कमरिया घाट का पीपे का पुल स्थायी नहीं बन पाया है। जो पीपे का पुल है, वह साल में केवल तीन-चार महीने ही चलता है। नदी के इस ओर उस पार के लोगों की आपस में रिश्तेदारियां हैं इसलिए बाकी दिनों में उन्हें काफी दिक्कतें आती हैं। हर साल नाव दुर्घटना में कम से कम 20-25 लोग मर जाते हैं और सरकार का ध्यान उस पर नहीं जाता है। मैं यहां यह ध्यान दिलाना चाहता हूं कि जनहित के लिए कमरिया घाट पर एक स्थायी पुल बनाना बड़ा ही आवश्यक है। मेरे लोक सभा क्षेत्र का आलापुर विधानसभा क्षेत्र भी नदी के उस पार है तथा मुझे अपने उस क्षेत्र में जाने के लिए 100 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है। जो पूर्वांचल के लोग बाढ़ की समस्या और पीड़ा को झेल रहे हैं, इस पर सरकार का ध्यान जाना चाहिए, जिससे बाढ़ की समस्या से वहां के लोगों को निजात मिल सके।